.. suvarNamAlAstutiH ..

॥ सुवर्णमालास्तुतिः ॥

अथ कथमपि मद्रसनां त्वद्गुणलेशैर्विशोधयामि विभो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ १
आखण्डल मदखण्डन पण्डित तण्डुप्रिय चण्डीश विभो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ २
इमचर्माम्बर शम्बररिपुरपहरणोज्वलनयन विभो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ ३
ईश गिरीश नरेश परेश महेश बिलेशय भूषण भो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ ४
उमया दिव्य सुमङ्गल विग्रह यालिङ्गित वामाङ्ग विभो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ ५
ऊरी कुरु मामज्ञमनाथं दूरी कुरु मे दुरितं भो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ ६
ऋषिवर मानस हंस चराचर जनन स्थिति लय कारण भो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ ७
अन्तःकरण विशुद्धिं भक्तिम् च त्वयि सतीं प्रदेहि विभो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ ८
करुणा वरुणालय मयिदास उदासस्तवोचितो न हि भो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ ९
जय कैलाश निवास प्रमथ गणाधीश भू सुरार्चित भो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ १०
झनुतक जङ्किणु झनुतत्किट तक शब्दैर्नटसि महानट भो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ ११
धर्मस्थापन दक्ष त्र्यक्ष गुरो दक्ष यज्ञशिक्षक भो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ १२
बलमारोग्यं चायुस्त्वद्गुण रुचिताम् चिरं प्रदेहि विभो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ १३
भगवन् भर्ग भयापह भूत पते भूतिभूषिताङ्ग विभो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ १४
शर्व देव सर्वोत्तम सर्वद दुर्वृत्त गर्वहरण विभो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ १५
षड्रिपु षडूर्मि षड्विकार हर सन्मुख षण्मुख जनक विभो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ १६

सत्यम् ज्ञानमनन्तं ब्रह्मे त्येतल्लक्षण लक्षित भो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ १७
हाऽहाऽहूऽहू मुख सुरगायक गीता पदान पद्य विभो ।
साम्ब सदाशिव शम्भो शङ्कर शरणम् मे तव चरणयुगम् ॥ १८
॥ इति श्री शङ्कराचार्य कृत सुवर्णमालास्तुतिः ॥

Encoded by Subramanian Ganesh sgesh@hotmail.com

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com
Last updated July 2, 2011
http://sanskritdocuments.org